पूजन-अर्चन | संतान की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना के साथ महिलाओं ने रखा व्रत, विधि-विधान से की पूजा-अर्चना

घर-घर हुई हलछठ की पूजा, महिलाओं में दिखा उत्साह

नवभारत, जबलपुर। संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर बुधवार को शहर में हलछठ का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पूजा की तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने पूजन स्थल पर हलछठ माता की स्थापना कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और व्रत कथा सुनी। इसके बाद संतान के स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु जीवन के लिए प्रार्थना की।

संतान की लंबी उम्र के लिए रखा व्रत

हलछठ का व्रत मुख्य रूप से माताएं अपनी संतान की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि के लिए रखती हैं। मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक हलछठ माता की पूजा करने और व्रत रखने से संतान पर आने वाले संकट टलते हैं।

सुबह के शुभ मुहूर्त में हुई पूजा

पंचांग के अनुसार बुधवार को भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि रही। हलषष्ठी पूजन के लिए सुबह 5.59 बजे से 9.10 बजे तक का समय श्रेष्ठ माना गया। वहीं बुधवार को राहुकाल दोपहर के समय रहा, इसलिए महिलाओं ने राहुकाल से पहले ही कई स्थानों पर पूजा-अर्चना पूरी कर ली।

मौसम ने भी दिया साथ

हलछठ के दिन सुबह शहर में बारिश हुई। बारिश के बाद कुछ समय के लिए मौसम थोड़ा खुला, हालांकि आसमान में बादल छाए रहे और धूप नहीं निकली। दिनभर मौसम में ठंडक बनी रही।

हल और कृषि परंपरा से जुड़ा पर्व

हलछठ का पर्व भगवान बलराम से भी जुड़ा माना जाता है। भगवान बलराम को हल धारण करने के कारण 'हलधर' कहा जाता है। इसी वजह से इस पर्व में हल और कृषि परंपरा का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन व्रत और पूजन करने से संतान की रक्षा होती है तथा परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

दिखी परंपरा की झलक

हलछठ के अवसर पर महिलाओं ने पूजा स्थल को पारंपरिक तरीके से सजाया। पूजन सामग्री में कृषि और ग्रामीण जीवन से जुड़ी वस्तुओं को विशेष स्थान दिया गया।

इनका कहना है

हलछठ का व्रत मैं हर साल संतान की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना से रखती हूं। पूजा में पारंपरिक तरीके से सभी सामग्री रखकर विधि-विधान से पूजा करती हूं।
दिव्या सिंह सेंगर, गृहणी

हमारे यहां हलछठ की पूजा वर्षों से चली आ रही है। इस दिन व्रत रखकर संतान के लिए प्रार्थना करते हैं। सभी महिलाएं मिलकर साथ में पूजा करती है।
ऊषा तिवारी, गृहिणी

कान्हा के मुकुट-मुरली में दिखी रचनात्मकता

जन्माष्टमी आयोजन के पांचवें दिन हुई प्रतियोगिता, आकर्षक श्रृंगार ने खींचा लोगों का ध्यान

नवभारत, जबलपुर। जन्माष्टमी को लेकर चल रहे आयोजनों के बीच हनुमानताल स्थित श्री गोपाललाल जी मंदिर में मुकुट और बांसुरी सजाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। श्री सनातन धर्म महासभा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के पांचवें दिन हुई प्रतियोगिता में करीब 33 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने कान्हा के श्रृंगार के लिए मुकुट और मुरली को अलग-अलग अंदाज में सजाकर अपनी रचनात्मकता दिखाई।

कार्यक्रम की शुरुआत गोपाल जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद प्रतिभागियों की ओर से तैयार किए गए मुकुट और बांसुरी प्रदर्शित किए गए। मुकुटों में मोरपंख और विभिन्न सजावटी सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया, जबकि बांसुरियों को भी आकर्षक तरीके से सजाया गया। प्रतियोगिता में पारंपरिक श्रृंगार के साथ प्रतिभागियों के नए प्रयोग भी देखने को मिले।

प्रतियोगिता में दिखा भक्ति के साथ हुनर का संगम

जन्माष्टमी के उत्सव को खास बनाने के लिए आयोजित मुकुट और बांसुरी सजाओ प्रतियोगिता में करीब 33 प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता दिखाई। कान्हा के श्रृंगार से जुड़ी इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रंगों, मोरपंख और सजावटी सामग्री के जरिए अलग-अलग डिजाइन तैयार किए। वहीं महेश्वरी महिला मंडल के सहयोग से प्रतियोगिता की व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हुईं। धार्मिक माहौल के बीच हुई इस प्रतियोगिता ने आयोजन में रचनात्मकता का रंग भी जोड़ दिया।

मुकुट और मुरली सजाकर प्रतिभागियों ने जीते पुरस्कार

मुकुट और बांसुरी सजाओ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशीलता और हुनर से आकर्षक श्रृंगार तैयार किए। बांसुरी सजाओ में रिया लखोटिया ने प्रथम, एकता महेश्वरी ने द्वितीय और राधा राठी ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं मुकुट सजाओ प्रतियोगिता में जिज्ञासा राठी प्रथम, कल्पना सोनी द्वितीय और रुचि जेठा तृतीय रहीं।

एक नजर में

कल निकलेगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शोभायात्रा

नवभारत, जबलपुर। संस्कारधानी की परंपरा को अनवरत जारी रखते हुए चार सितंबर शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व पर भव्य संकीर्तन शोभायात्रा निकाली जाएगी। श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जाबालीपुरम द्वारा जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक से दोपहर 12:30 बजे सजीव चलित झांकियों के साथ यह यात्रा शुरू होगी, जो दोपहर 2 बजे पुराने बस स्टैंड से श्री सनातन धर्म महासभा की मुख्य शोभायात्रा में सम्मिलित होगी। इस महा उत्सव पर्व पर मंडल के संयोजक देवेंद्र नेमा, संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे, आचार्य पं. देवेंद्र त्रिपाठी, पप्पन मिश्रा, सत्यप्रकाश नामदेव, मोहित तिवारी, के एल दीक्षित, सुरेंद्र दीक्षित, अमित विश्नोई, पप्पू चौबे और विशाल पंड्या सहित अन्य सदस्यों ने शोभायात्रा को सफल बनाने का अनुरोध किया है।

रवि महोबिया भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बने

नवभारत, जबलपुर। रवि महोबिया को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया है। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार ने कुण्डम के पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष रवि महोबिया को इस जिम्मेदारी के लिए चुना है। इस नियुक्ति पर भाजपा जिला अध्यक्ष राज कुमार पटेल, प्रदेश महामंत्री कृष्णा चौधरी, मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजीत आहिरवार, प्रदेश संयोजक दीपमाला सोनकर, संतोष झारिया, अनिल चौधरी, अभिषेक दहिया, टीटू सोनकर ने हर्ष व्यक्त किया है।

निर्मला चर्च में वेलांकन्नी माता की नवीना प्रार्थना का चौथा दिन

नवभारत, जबलपुर। निर्मला चर्च में वेलांकन्नी माता के आदर में नवीना प्रार्थना के चौथे दिन का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य योजक संत इग्नेशियस लोयोला चर्च, स्नेह सदन के पल्ली पुरोहित श्रद्धेय फादर जूडजेम्स के द्वारा ध्वजरोहण एवं मिस्सा बलिदान अर्पित कर किया गया।

फादर ने समस्त उपस्थित माता के भक्तों को संबोधित करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि पारिवारिक जीवन में माता मरियम का जीवन आज्ञाकारिता, समर्पण और प्रेम का एक आदर्श प्रतीक है और मसीही विश्वास व पारिवारिक मूल्यों में उनका स्थान सर्वोच्च है, जहां ईश्वर की इच्छा को सर्वोपरि माना जाता है।

पल्ली पुरोहित फा. जेवियर फ्रांसिस, सचिव शैलेश जॉर्ज, संयोजक क्लेमेंट पायस एवं पल्ली परिषद के सदस्यों ने माता के भक्तों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आत्मिक एवं शारीरिक लाभ प्राप्त करने के लिए आने का निवेदन किया है। कार्यक्रम समीक्षा टाउन, सावित्री बिहार के विश्वासियों के द्वारा किया गया, जिसमें पल्ली परिषद की रोजमेरी थॉमस, मैथ्यूज जोसेफ बाबा, जूलियाना जोसेफ एवं क्षेत्र विश्वासियों का सहयोग रहा।

कुलगुरु राजेश वर्मा ने श्री श्री रविशंकर से की मुलाकात

विशेष आयोजन में आमंत्रित किया

नवभारत, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय अब विद्यार्थियों को शैक्षणिक और व्यावसायिक कौशल के साथ व्यक्तित्व विकास, जीवन-मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने की दिशा में भी पहल करने जा रहा है। इसी उद्देश्य को लेकर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर से मुलाकात कर विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

इस दौरान कुलगुरु ने उन्हें निकट भविष्य में विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। विश्वविद्यालय का उद्देश्य महाकौशल क्षेत्र की युवा शक्ति को कौशल विकास और व्यक्तित्व निर्माण के साथ सकारात्मक जीवन-दृष्टि और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ना है, ताकि विद्यार्थी शिक्षा के साथ जीवन के व्यावहारिक पक्ष को भी बेहतर ढंग से समझ सकें। मुलाकात के दौरान श्री श्री रविशंकर से जुड़े आर्ट ऑफ लिविंग संगठन और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के बीच एमओयू किए जाने की संभावनाओं पर भी प्रारंभिक चर्चा हुई। विश्वविद्यालय के अनुसार, इस दिशा में जल्द ही दोनों पक्षों के बीच आगे की बातचीत होगी और एमओयू होने पर विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व विकास, जीवन-कौशल, मानसिक संतुलन तथा आध्यात्मिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। कुलगुरु प्रो. वर्मा ने कहा कि श्री श्री रविशंकर जैसे आध्यात्मिक व्यक्तित्व का विश्वविद्यालय और महाकौशल की धरती पर आगमन क्षेत्र के लिए गौरव का विषय होगा।

भगवान धरणीधर दाऊ जन्मोत्सव और किरार दिवस मनाया

नवभारत, जबलपुर। अखिल भारतीय किरार क्षत्रिय महासभा द्वारा श्रीनाथ की तलैया स्थित गायत्री मंदिर में भगवान धरणीधर दाऊ जी जन्मोत्सव एवं किरार दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने उपस्थित होकर भगवान धरणीधर दाऊ जी का पूजन-अर्चन किया।

कार्यक्रम का सफल आयोजन समाज के अध्यक्ष डॉ. बी.के. पटेल, अध्यक्षा नीरजा ठाकुर एवं युवा मंडल अध्यक्ष भाई अज्जू ठाकुर के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में भगवान बलराम का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया तथा विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। उपस्थित समाजबंधुओं ने भगवान धरणीधर दाऊ जी से समाज में एकता, समृद्धि, सुख-शांति एवं आपसी भाईचारे की कामना की। कार्यक्रम के दौरान समाज की संस्कृति, परंपरा एवं संगठनात्मक एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों आर.सी. चौधरी, लक्ष्मण सिंह, हेमराज चौधरी सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रहे : डॉ. अभिलाष पांडे

नवभारत, जबलपुर। मेरा युवा भारत द्वारा शासकीय यूथ हॉस्टल में छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि उत्तर मध्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. अभिलाष पांडेय ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर युवाओं को संबोधित किया।

उन्होंने स्वयंसेवकों को समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी हर्षल तलश्कर ने नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी और उमरिया जिलों से आए राष्ट्रीय सेवा कर्मियों को उनके दायित्वों की जानकारी दी।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक युवाओं के व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मंच संचालन स्वयंसेवक तिलक पटेल द्वारा किया गया। इस दौरान आनंदिता, रमेश परिहर, लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक मनीष चौहान और यूथ हॉस्टल काउंसलर निशा सिंह उपस्थित रहीं।

उमिया परिवार ने कजलियां मिलन में दी दिवंगत परिजनों को श्रद्धांजलि

नवभारत, जबलपुर। उमिया परिवार/ कुर्मी समाज द्वारा कुर्मी सेवा संस्थान भवन में कजलियां मिलन समारोह एवं संयुक्त श्रद्धांजलि सभा का आयोजन बुधवार को हुआ। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुओं ने अपनी सहभागिता दर्ज की। इस अवसर पर समाज के लोगों ने एक-दूसरे को पारंपरिक कजलियां भेंटकर पर्व की बधाई दी और आपसी सद्भाव व सौहार्द का संदेश प्रसारित किया।

समारोह के दौरान शोकाकुल परिवारों को कजलियां प्रदान करके समाज के दिवंगत परिजनों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोकाकुल परिवारों को यह असह्य दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में उमिया परिवार के सदस्य महेश पटेल, डॉ. लोकेश पटेल, रामकुमार पटेल और हरि पटेल उपस्थित रहे।

राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह बलिदान दिवस की तैयारियां शुरू

नवभारत, जबलपुर। गढ़ा गोंडवाना संरक्षण जबलपुर द्वारा 18 सितंबर को राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस को भव्यता और गरिमामय रूप से मनाने की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

इसके तहत प्रशासन भी सक्रिय हो गया है और नगर निगम द्वारा प्रतिमा स्थल व उद्यान की साफ-सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस संबंध में गढ़ा गोंडवाना संरक्षण के प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर से मुलाकात की जिन्होंने कार्यक्रम को गरिमामय रूप से मनाने का आश्वासन दिया, साथ ही विगत माह मुख्यमंत्री को भी आमंत्रित किया गया है जिनका इस कार्यक्रम में आगमन संभावित है।

इसके बाद 1 सितंबर को राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह प्रतिमा स्थल गोंडवाना चौक जबलपुर में बैठक का आयोजन हुआ और तैयारियों संबंधी जानकारी दी गई। इस अवसर पर के संभागीय अध्यक्ष किशोरीलाल भलावी, कार्यवाहक अध्यक्ष अजय झारिया, सामाजिक कार्यकर्ता एवं संयोजक राजेंद्र चौधरी उपस्थित रहे।

बलदाऊ जयंती | बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

जन्मोत्सव में दिखी परंपरा, अभिषेक के बाद भक्तों को बांटा पान का बीड़ा

नवभारत, जबलपुर। शहर के पुराने धार्मिक स्थलों में शामिल बलदाऊ जी मंदिर गोहलपुर में बुधवार शाम भगवान बलदाऊ जी का जन्मोत्सव मनाया गया। हर साल होने वाले इस आयोजन में इस बार भी मंदिर में भक्तों की आवाजाही रही। शाम 6 बजे जन्मोत्सव के अवसर पर भगवान का पंचामृत से अभिषेक किया गया। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने दर्शन किए और प्रसादी ग्रहण की। मंदिर में पान का बीड़ा विशेष भोग के तौर पर चढ़ाने की परंपरा है।

जन्मोत्सव पर भी भगवान को पान का बीड़ा अर्पित किया गया और बाद में भक्तों को प्रसाद के रूप में बांटा गया। इसके साथ पंचामृत भी श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। मंदिर पहुंचने वाले लोगों के लिए पान का बीड़ा प्रसाद इस आयोजन की खास पहचान रहा।

जबलपुर के बलदाऊ मंदिर की अपनी अलग परंपरा

मध्यप्रदेश में बलदाऊ जी की आस्था से जुड़े प्रमुख मंदिरों में जबलपुर और पन्ना का नाम आता है। जबलपुर के मंदिर की खास पहचान यहां निभाई जाने वाली पुरानी परंपराओं से है। खासकर पान के बीड़े को भगवान के विशेष भोग के रूप में चढ़ाने की परंपरा आज भी कायम है। जन्मोत्सव पर इसी परंपरा के तहत भोग अर्पित कर भक्तों में प्रसाद बांटा गया। मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के साथ भगवान के दर्शन किए और परिवार की खुशहाली की कामना की।

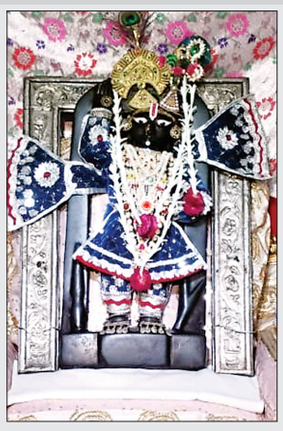

पान के बीड़े में सिमटी मंदिर की पुरानी आस्था

बलदाऊ जी मंदिर में पान का बीड़ा केवल प्रसाद नहीं, बल्कि जन्मोत्सव से जुड़ी वर्षों पुरानी परंपरा का हिस्सा है। जन्मोत्सव के दिन भगवान को पंचामृत से अभिषेक के बाद पान का बीड़ा विशेष भोग के रूप में अर्पित किया जाता है। पूजन के बाद यही पान श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में दिया जाता है। पीढ़ियों से चली आ रही इस परंपरा में धार्मिक आस्था के साथ मंदिर की अपनी विशिष्ट पहचान भी जुड़ी हुई है। यही वजह है कि जन्मोत्सव के दौरान पान का बीड़ा श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण और आस्था का प्रसाद बना रहता है।

जन्मोत्सव के साथ जीवंत रहती है पुरानी परंपरा

बलदाऊ जी महाराज का जन्मोत्सव मंदिर में केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर भी रहा। पंचामृत से अभिषेक, विशेष भोग और प्रसाद वितरण के साथ मंदिर की पुरानी परंपराएं एक बार फिर देखने को मिलीं। खासतौर पर पान का बीड़ा भगवान को अर्पित कर श्रद्धालुओं में बांटना यहां के जन्मोत्सव की अलग पहचान है। करीब 147 वर्षों से मंदिर से जुड़ी इन परंपराओं को आज भी उसी श्रद्धा के साथ निभाया जा रहा है। जन्मोत्सव में शामिल श्रद्धालुओं के लिए पूजा के साथ इन परंपराओं से जुड़ना भी आयोजन का खास हिस्सा रहा।

जनसंपर्क विचार मंच ने ब्रजमोहन तिवारी को दी विदाई

नवभारत, जबलपुर। जनसम्पर्क विचार मंच (जेवीएम) की ओर से एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी में कार्यरत ब्रजमोहन तिवारी को सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई दी गई। ब्रजमोहन तिवारी ने 37 वर्षों तक कर्त्तव्यपरायणता व निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी को निभाया।

इस अवसर पर जनसम्पर्क विचार मंच के अध्यक्ष राकेश पाठक व उपाध्यक्ष कमलेश पटेरिया ने सेवानिवृत्त होने वाले ब्रजमोहन तिवारी के सेवाकाल और उनके उत्कृष्ट आचरण व व्यवहार का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सेवाकाल में अनेक प्रतिमान स्थापित करके नए कार्मिकों के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर जनसम्पर्क विचार मंच की ओर से ब्रजमोहन तिवारी को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त हुए ब्रजमोहन तिवारी ने कहा कि उनके लगभग साढ़े तीन दशक के सफल कार्यकाल में वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन और साथियों का सहयोग रहा है।ब्रजमोहन तिवारी ने जनसम्पर्क विचार मंच के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी सदस्यों ने विदाई के वक्त जो सद्भाव दिखाया है वह अविस्मरणीय है। इस अवसर पर जनसम्पर्क विचार मंच के सदस्य कृष्ण कुमार शर्मा व वसंत अगस्ती उपस्थित रहे।